

2. चिकि.,मनो. रोगी के बीते हुए जीवन की घटनाओं, चरित्र आदि का अध्ययन। case study
- वृत्त-खंड पुं.** (तत्.) 1. किसी वृत्त या घेरे का दो त्रिज्याओं या अर्ध व्यासों के बीच स्थित कोई अंश 2. मेहराब।
- वृत्त-गंधि पुं.** (तत्.) वह गद्य जिसमें अनुप्रास और समास अधिक हों एवं पढ़ने में पद्य जैसा आनंद दे।
- वृत्तघ्न पुं.** (तत्.) इंद्र।
- वृत्त-चित्र पुं.** (तत्.) सिनेमा चित्र जिसमें किसी विशेष कार्य, घटना आदि का वृत्तांत दिखाया गया हो। documentary, newsreel
- वृत्त चूड़ वि.** (तत्.) 1. मेहराबदार 2. जिसका चूड़ा संस्कार हो चुका हो, मुंडित, जिसका मुंडन संस्कार हो चुका हो, वृत्त चौल।
- वृत्त चेष्टा स्त्री.** (तत्.) रहन-सहन, आचरण।
- वृत्त-जाति स्त्री.** (तत्.) काव्य. में समवर्णिक छंदों की जाति।
- वृत्त-पत्र पुं.** (तत्.) 1. दैनिक कार्यों, घटनाओं इत्यादि के संक्षिप्त उल्लेख वाला कागज 2. किसी संस्था आदि के निश्चयों, निर्णयों, कार्यों समाचारों या तत्संबंधी लेख आदि प्रकाशित करने वाला सामयिक पत्र।
- वृत्त-पत्रक पुं.** (तत्.) अपराधी प्रवृत्ति वाले व्यक्ति, समूह या परिवार के संबंध में चरित्र और अपराध संबंधी प्रारंभिक सूचनाओं का संग्रह, पूर्वापराध-पत्र।
- वृत्तपरक वि.** (तत्.) 1. वृत्त संबंधी 2. वृत्त के समान, वृत्त सदृश्य।
- वृत्त-पाद पुं.** (तत्.) वृत्त का चतुर्थ पाद।
- वृत्त-फल पुं.** (तत्.) 1. कोई गोलाकार फल 2. अनार 3. काली या गोल मिर्च।
- वृत्त-बंध पुं.** (तत्.) वृत्त या छंद के रूप में बना हुआ वाक्य, छंदोबद्ध।
- वृत्त-पुष्प पुं.** (तत्.) 1 कदंब 2. जलबेत, 3. सेवती 4. मोतिया 5. सिरीषा का पेड़।
- वृत्तरंग पुं.** (तत्.) ऐसा रंगस्थल जिसमें रंगमंच खुला होता है और दर्शकगण चारों ओर बैठकर नाटक देख सकते हैं।
- वृत्त-रचना स्त्री.** (तत्.) कविता-लेखन, काव्य-सृजन, पद्य-रचना।
- वृत्तवान वि.** (तत्.) चरित्रवान्, सदाचारी।
- वृत्तांत पुं.** (तत्.) किसी व्यक्ति अवसर, प्रक्रिया या घटना आदि का विवरण, समाचार, हाल वि. एकांत, एकाकी।
- वृत्ता स्त्री.** (तत्.) 1. झिंझरीट नाम का क्षुप 2. रेणुका 3. प्रियंगु।
- वृत्ताकपायी स्त्री.** (तत्.) 1. लक्ष्मी, गौरी, शची 2. अग्नि की पत्नी स्वाहा 3. सूर्य की पत्नी ऊषा।
- वृत्तानुसारी वि.** (तत्.) विहित कार्य करने वाला, अच्छा आचरण करने वाला, सदाचारी, शास्त्रों द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने वाला।
- वृत्ता-पत्र पुं.** (तत्.) एकलता।
- वृत्तार्ध पुं.** (तत्.) वृत्त का आधा भाग जो व्यास तथा चाप से घिरा होता है, अर्धवृत्त।
- वृत्तासुर पुं.** (तत्.) एक असुर जिसे मारने के लिए दधीचि की हड्डियों से बनाए गए विशेष अस्त्र 'वज्र' का प्रयोग किया गया था।
- वृत्ति स्त्री.** (तत्.) 1. वह कार्य जिसके द्वारा जीविका का निर्वाह होता हो, जीविका आजीविका, रोजी 2. नाटको में विषय के विचार से वर्णन करने की विशिष्ट शैली 3. योग के अनुसार चित्त की विशिष्ट अवस्था जो पाँच प्रकार की मानी गई हैं क्षिप्त, मूढ, विक्षिप्त, एकाग्र और विरुद्ध 4. किसी सूत्रग्रंथ का अर्थ और आशय स्पष्ट करने वाली संक्षिप्त परंतु गंभीर व्याख्या जैसे- 'अष्टाध्यायी' की कशिका वृत्ति 5. शब्दों की अभिधा, लक्षणा और व्यंजन नामक शब्द शक्तियाँ 6. एक प्राचीन संहारक अस्त्र 7. व्याख्या, कारिका 8. चक्कर खाना,